Total Pages : 8

1601

I Year Arts Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–I

(आधुनिक गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. **निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर दीजिए :**

इकाई-I

(अ) हेम बाबू का परिचय दीजिए।

(ब) चरण सखी की चारित्रिक विशेषता बताइए।

इकाई-II

(स) कुम्भै का परिचय दीजिए।

(द) कोसीथल किसकी जागीर थी, इस जागीर का ठाकुर और संरक्षक कौन था?

इकाई-III

(य) लालसी येमजी किस विद्या में प्रवीण थे? लालजी ने किसे अपनी पुत्री बनाया?

(र) ढोला-मारू का परिचय दीजिए।

इकाई-IV

(ल) मृगतमायची किस कहानी का पात्र है? वह किस से विवाह करता है?

(व) कूंपळा कहानी के कहानीकार एवं पात्र कौन हैं?

इकाई-V

(श) काच रो चिलको कहानी में ऊंउरै, गिरज, गंडक ठार कागला रो प्रतीक है।

(ष) ''थे बारै जावो'' कहानी के कहानीकार एवं मुख्य पात्र हैं।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. 'बोळावण' एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

3. 'सम्पादक री मौत' एकांकी का मूल मन्तव्य स्पष्ट कीजिए।

इकाई-II

4. 'सूरज री मौत' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'नीलकंठी' कहानी का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-III

6. 'ऊगो भणेज' कहानी के पात्रों का चरित्र चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

7. 'जसमल ओडण' कहानी नारी स्वाभिमान की कथा है। कैसे? समझाइए।

इकाई-IV

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सोढा रो साथ आंपणां जवानां रो नै जांन रा जवानां रो मन

ही मन मुकाबलो करण लाग्यों। बाघ में बाथ घाल नै सोढा

अर राठौड़ मिल्या, अमलां री गैरी गैरी मनवारा खोबा भर भर

एक दूजा ने देवा लाग्या। डामो बोल्यो "आपरा खोबा सूं तो

म्हारो कान ही तातो नी व्है, यो कटोरो ही झेलाय दो।" एक घूंट

कंसूबा रो कटोरो खाली कर डामो, सोढ़ां रे हाथ में पाछो झेलाये।

9. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"दुख कैरो नाथ? रावंता री बेटियां बसर रो काळजो नै जनमिया करै। (डबडबाई आंरितयां सूं) म्हनै आप जैड़ो जूंझार धणी मिलियो, म्हारा मोटा भाग है हेमा रो लोही ई हमैं म्हारी मांग रो सिंदूर बणैला। आप सिधावौ। भगवान नै फतै देवै।"

चारण-"सांपजा जाया चीटला, सीहण जाया साव।

राणी जाया नहं रुकै, कुळौवार सुभाव।।"

इकाई-V

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पण खुद नै जावणो हुवतो जणा बा आपरी सासू रो आदेश कोनी चावती। फकत सूचना दे देवती-म्हैं म्हारै पीहरै जावूं। आप डांगरा नै नीर दीज्यो। गावड़ी दूध देवै है, दूध काढ़ लीज्यो। बिलोवणो हुवै तो विलोय नीज्यो, नी टाळा कर दीज्यो। अर आपरै टाबरां सागै बहीर हुय जावती। टाबर जणै इण धरती पर उतरै, बेल बधै बधै ज्यूं बधै।

11. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''पळ ई रो चावै जो व्हीजो। मरणो एक दांण है, आगै के पाछै। लुगाई री वीणती टाळ दे वो मरद ही नीं। नारी रो अपमान नजरयूयां देखणों ही सबसू मोटो पाप है, जीवता जीव नरक भोगणो है। करो फोज री व्यारी करो, म्हूं परणवा ने जावूंला। था फोज ले, दिल्ली रा गैला ने रोक्यां राख जो, ब्याव नीं व्हे जावै जतरै।''

खण्ड-स

इकाई-I

12. 'पिउसंधी' कहानी का कहानी के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-II

13. 'कांचळी' कहानी का कहानी के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-III

14. 'सोरठ' कहानी की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-IV

15. 'वीरमती' एकांकी का एकांकी के तत्वों की दृष्टि से विवेचन कीजिए।

इकाई-V

16. निम्नलिखित गद्यांश का राजस्थानी में अनुवाद कीजिए :

''सदियों तक यह भारतीय संस्कृति, शौर्य, साहित्य और कला का केन्द्र रहा है। राजस्थान का नाम सुनते ही जोश उमड़ पड़ता है। अपने धर्म, अपनी मान-मर्यादा और गौरव के नाम पर मर मिटने वाले असंख्य नर-नारियों के रक्त से बनी हुई यहाँ की धरती तीर्थराज प्रयाग की तरह पवित्र और यहाँ का प्रत्येक रज-कण गंगा माटी-रेणुका की तरह मुक्ति को देने वाला है। एक समय था जब यहाँ की माँ-बहिने अपने पुत्र-भाइयों को वीरत्व का पाठ पढ़ाया करती थी।''